शास्त्रीय संगीत का बढ़ा महत्व

मुंबई. संगीत शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यवहारिक करियर विकल्प में बदल रहा है. विले पार्ले के स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, एनएमआईएमएस विश्वविद्यालय के डीन डॉ. विकास भारद्वाज ने कहा कि यह बदलाव समाज में रचनात्मक करियर के प्रति दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन को दर्शाता है. भारतीय शास्त्रीय संगीत की भूमिका मूलभूत बनी हुई है. उन्होंने कहा कि डिजिटल म्यूजिक इकोनॉमी के बढ़ने से नए कलाकारों के लिए संभावनाएं विस्तृत हुई हैं. अब करियर के विकल्पों में म्यूजिक प्रोडक्शन, फिल्म स्कोरिंग, साउंड डिजाइन, लाइव परफॉर्मेंस आदि शामिल हैं.

Publication: Navbharat

Edition: Mumbai

Headline: The growing importance of classical music.